



تَقَبَّلَ اللهُ مِنَّا وَمِنْكُمْ رَحْمَةً رَحِيمَةً
દુઆએ સનમય ફુરૈશ,
દુઆએ તવરસુલ.

ડિઝાઇન : મે.દો ડોમસુદર ૭ 5સાસીસ, ગામડડા બજાર, મહુવા મો. ૯૮૨૪૫૦૪૧૦૦



موب. ۷۷۲۴۲ ۰۸۱۰۰



Design By

● گاھ ۵۵۱ بھار، ٲیرمھمڈشا ڈرسٹ، ڈ.ن. ۱۳، ۱۴، مھوا.

[INDEX](#)

[Yusuf-e-Zehra](#)

અનુક્રમણિકા

1. દુઆએ અલવી મિસ્ત્રી તરજુમો

2. દુઆએ સનમય કુરૈશ

3. દુઆએ તવસ્તુલ

इलीलत और अहमीयते दुआये अलपी मिसरी

सय्यद जलीलुल कद्र रज़ियुद्दीन अली बिन ताउस रहमतुल्लाह अलैह मेहजुद दापात में नकल करते हैं, जो कि कटीमी किताब हय जिस के मोअल्लिह हुसेन बिन अली बिन हिन्द हैं, वह कहते हैं कि माहे शप्पाल 369 हिजरी में मैं ने इस दुआये अलपी मिसरी को लिखा (जलीलुल कद्र कहते हैं) इस तरह रिवायत की गई हय कि यह अेक दुआ हय जो मौला एमामे झमान (अ.स.)ने अपने अेक शीआ को जो परेशानी, खुलम व सितम में मुज्तेला था, प्बाब में उनको दुआ बताई, जुदापटे आलम ने इस दुआ की बरकत से उस के दुश्मन को हलाक कर दिया.

एमामे झमान (अ.स.)ने इरमाया, वोह जुदापटे आलम जो परपरदिगार हय, मेरा, तुम्हारा और हमारे आबा व अजदाद का, वह दुआओं जो मेरे जद्वे अमजद व पैगंबर सलपातुल्लाह परेशानी व गिरिइतारी के वकत पढते थे, उनको तुम कयूं नहीं पढते और कयूं दुआ नहीं करते हो?

मैंने कहा, वह किस तरह दुआ करते थे, ताकि मैं भी उस तरह दुआ करूं. हजरत ने इरमाया कि जब शबे जुम्आ हो, गुस्ल करो, नमाज पढो और जब सर को सजदए शुक से उठाओ, इस हाल में दो झानू होकर जेहो और इस दुआ को गिरया व झारी की हालत में पढो.

अली एब्ने हम्माद नकल करते हैं मैंने इस दुआ को अबुल हसन (अ.स.) अली अलवी अरीज़ी से लिया है और उन्होंने मुझे इस शर्त के साथ यह दुआ दी कि, उसको दुश्मने अहलेबैत को ना देना और किसी अयसे शाख्स को यह दुआ न देना जिस के मऊहब के बारे में तू ना जानता हो.

मैंने अहेद किया कि जिस के दीन के बारे में यकीन रखता हूँगा कि यह मुजालिक्के अहलेबैत है, मैं इस दुआ को मुजालिक्के अहलेबैत को नहीं दूँगा. इस शर्त के साथ मैं मुहिब्बे अहलेबैत को यह दुआ दूँगा कि उस से भी यह अहेदो पैमान ले लूँगा कि तुम भी कोई दुश्मने अहलेबैत को यह दुआ ना देना.

मुतरज्जिम !! मपलाना जुल्दैकार ज़ैदी पेश
नमाज़ एमाभिया मस्जिद, जम्बई.

या अह्मद ! एमाभे जमाना (अ.त.इ.श.)ना मुहुरमां जल्दी कर. ०२

दुआओ अलवी मिस्री (तरजुमो)

हजरत वलीये असूर हमामे जमान (अ.त.इ.श.) के लिये दुआ करना और उस दुआ को पढ़ना, उसकी बहुत ज़ियादा अहमियत है और उसके बे पनाह असरात हैं.

शुरू करता हूँ अल्लाह के नाम से जो बड़ा महेरबान और निहायत रहम वाला है.

अय परवरदिगार कौन है जो तुझे पुकारे और तू उसको जवाब न दे और वह कौन है जो तुज से सवाल करे और तू उसको अता न करे, और वह कौन है जिस ने तुज से मुनाजात की और तूने उसको ना उम्मीद कर दिया और जो तुज से नज़दीक हुआ हो और तूने उसको दूर कर दिया हो. (?)

अय परवरदिगार फिरऔन ताकतवर था, डालांडे ये काफ़िर था, नाफ़रमान था, अपने नफ़स की रुबूबियत के लिये उसने झुठार का दावा भी किया. परवरदिगार तू जानता था के फिरऔन तवूबा नहीं करता और तेरी

या अल्लाह ! हमामे जमाना (अ.त.इ.श.)ना मुहुरमां जल्दी कर. 03

तरफ़ पलटेगा भी नहीं और वापस भी नहीं आयेगा और वह धमान भी नहीं लायेगा और तुज से डरेगा भी नहीं, झीर भी तूने उस की हुआ को कुबूल कर लिया, और जो सवाल किया तूने-उसको अता भी कर दिया. तूने अपने करम की वजह से किया और जो भी उसने तुजसे तलब किया वह तेरे नजदीक बहुत कम था, धस लिअे तूने अता कर दिया, झीरऔन के नजदीक वह बहुत भुजुर्ग थी.

तू यह यादता था के उस पर अपनी हुज्जत को तमाम कर दिया जाये और उस हुज्जत की ताकीद करने के लिअे झीरऔन ने गुनाह किया और कुइ धप्तिवार किया, उसने तकब्बुर किया, अपनी कौम पर अपने कुइ के बारे में झुप्र किया, कौम के सामने उसने अपने नइस पर जो जुल्म किया उस पर तकब्बुर किया. तूने बुईबारी की तो उसने तकब्बुर किया. झीरऔन ने अपने नइस पर यह वाजिब करार दिया और जुरअतमंड हुआ अल्लाह के सामने. उस तरह की उस्को जजा मिली और

या अह्लाह ! धमाने जमाना (अ.त.इ.श.)ना मुहरमां जल्दी कर. ०४

फिरऔन के कुड़-तकब्बुर की जला उसे दर्या में गर्क किया गया.

परवरदिगार, मैं तेरा बंदा हूँ, तेरे बंटे का भेटा हूँ और तेरी कनीज का इरजंड हूँ और अतेराफ़ करता हूँ तेरी बंदगी का और अतेराफ़ करता हूँ ब तेहकीक तेरे सिवा कोई भालिक मेरे लिये नहीं और तेरे अलावा कोई भी परवरदिगार नहीं हय.

यकीनन तू हमारा परवरदिगार हय और हमारी भाजगशत और हमें पलट कर तेरी भारगाह में आना हय मैं जानता हूँ कि तू हर चीज पर कुदरत रभता हय और जो तू याहता हय वही करता हय. जिसका तूं धरादा करता हय उस पर तू हाकिम हय. तेरे काम के होने में ताभीर नहीं होती. और तेरा हुकम कोई रद नहीं कर सकता. और मैं जानता हूँ के तू अब्बल भी हय और आभिर भी हय, तु ज़ाहीर भी हय, तू बातिन भी हय, तुं किसी चीज से बना नहीं हय, किसी चीज से जुदा भी नहीं हय, हर चीज से पहले हय और हर शय

या अह्लाह ! हमारे जमाना (अ.त.इ.स.)ना मुहुरमां जल्दी कर. ०५

के बाद हय, तू हर चीज का पैदा करने वाला हय और हर चीज को उसके तरीके से पैदा किया हय और तू सुनने वाला और देखने वाला हय और मैं गवाही देता हूँ तु उसी तरह हय और रहेगा.

तू ज़िंदा अे जावेद हय, तेरे ठीपर नींद और ठींघ गालीब नहीं छोती हय, ज्वालात के जरिये तेरे अवसाक़ बयान नहीं छोते, हवासे भमूसा के जरिये तुजे नहीं पेहचाना जाता और किसी पैमाने से मापा नहीं जाता. और आदमियों से तेरी मिसाल नहीं दी जा सकती और यह तमाम मजलूक़ात तेरे बंटे और तेरी कनीज़ें हैं. अय परवरदिगार तू हमारा पालने वाला हय हम सब तेरे परवरदा हय, तु हमारा भालिक हय और हम तेरी मजलूक़ हैं और तू रोजी अता करने वाला हय और हम रोजी पाने वाले हैं. पस तेरे ही लिअे तमाम तारीक़ें हैं अय परवरदिगार, थूंकि तूने हमें बशरे कामिल बनाया हय.

परवरदिगार तूने मुजे बे नियाज़ बनाया, भुद

या अल्लाह ! ईमामे ज़माना (अ.त.इ.श.)ना मुहूरमां जल्दी कर. 09

કફીલ બનાયા જબ કી મેં એક છોટા બચ્ચા થા.

તૂને માં કે દૂધ કે ઝરિયે ગિજા અતા કી ઔર મુજે પાક વ પાકીજા ખાના અતા કિયા ઔર મુજ કો એક મુકમ્મલ ઇન્સાન બનાયા. તેરે લીયે તમામ તારીફે હેં અગર ઉન તારીફોં કો શુમાર કીયા જાએ તો ગિના નહીં જા સકતા ઔર અગર કિસી જગેહ પર રખ દિયા જાએ ઉન તારીફોં કો તો દૂસરી રીજ કીં કોઈ ગુંજાઈશ નહીં રહેગી. તેરી તારીફ કો તમામ તારીફ વાલોં પર બુલંદી વ બરતરી હાંસિલ હય ઔર હર ચીજ કી તારીફોં સે બુલંદ હય. અયસી તારીફ કે જો તમામ ચીજોં કી તારીફ સે બુલંદ હોગી. જબ ભી મેં અલ્લાહ કી તારીફ કરતા હું કિસી ચીજ કે ઝરિયે તો વહ સબ સે બઢકર હય. ઔર હર શય ઉસ્કી તારીફ કરતી હય. ખુદા ઉસકો ઉત્નાહી મોહબ્બત કરતા હય ઔર કુલ તારીફેં અલ્લાહ કે લિએ હેં ઉસ્કી તમામ મખલૂકાત કી તાદાદ કે બરાબર, જો તમામ મખલૂકાત કે વજન સે બઢકર હય.

ઔર તારીફ ઉસ વજન કે બરાબર જો અઝીમ

યા અઘાહ ! ઈમામે ઝમાના (અ.ત.ફ.શ.)ના મુહરમાં જલ્દી કર. ૦૭

तरीन थीज को उरने भल्ल किया हय उसके वजन के भराभर मामूली थीज को भी भल्ल किया हय. और जो उसके मभलूक की तादाद छोटों में हय वह भी याहते हैं कि हम उसकी तारीफ़ करे उसकी सभ से छोटी मभलूकत के अतेभार से. तमाम तारीफ़े अल्लाह के लिये हय यहां तक वह हम से राजी हो जाय और हमें उसकी भुशनूदी और रजा हांसिल हो जाये.

और हम परवरदिगार से सवाल करते हैं कि वह मोहम्मद व आले मोहम्मद पर रहमत नाज़िल फ़रमाये और हमारे गुनाहों को माफ़ कर दे और हमारे कामों को हल करदे और हमारी तौबा को कबूल करले, भेशक वही तौबा का कबूल करने वाला हय रहीम है.

अय परवरदिगार में तुज से दुआ करता हूं तुज से सवाल करता हूं तेरे नबी हज़रत आदम (अ.स.) ने जिस नाम से दुआ की. हज़रत आदम (अ.स.) ने तर्क अवला किया और अपने नफ़्स पर जुल्म किया. जिस वक्त उस ने तर्क अवला किया तूने उसके तर्क अवला को

या अल्लाह ! ईमामे ज़माना (अ.त.इ.स.)ना मुहुरमां जल्दी कर. ०८

माफ़ कर दिया और उसकी तौबा को कबूल कर लिया और उसकी दुआ को मुस्तजाब कर लिया. अय करीब होने वाले, तू उन से बहुत ज़ियादा करीब है. तू मोहम्मद व आले मोहम्मद पर सलवात भेज, मेरी ખता को माफ़ कर दे और मुજ से राजी व ખુશनुદ हो जा और अगर तू मुજ से राजी न हो तो मुझे मआफ़ करदे.

बेशक मैं गुनाहगार हूँ, ब तेहकीक आका अपने भंडो को मआफ़ करता है, अगर राजी ना भी हो तो उसे मआफ़ करता है. मैं जालिम व ખताकार हूँ. और तू हम से राजी कर अपनी मखलूक को, अय पैदा करने वाले मुझे रजा मंडों में शुमार कर और तेरे हक को मुज से लेले.

अय मेरे ખुदा मैं तुज से सवाल करता हूँ उस नाम के जरिये जिस को तूने वसीला बनाया, जनाबे छद्रीस (अ.स.) ने तुज से दुआ मांगी, पस तूने उनको सख्या नबी बनाया और उनके दरजात को बुलंद किया और जिस को तूने पैगंबर करार दिया है और जिस को तूने

یا ارحم الراحمین ! ॐगामे जमाना (अ.त.इ.स.)ना मुहुरमां जल्दी कर. ०९

अजीम मर्तबा अता किया हय और उसकी दुआ को कबूल किया हय और तू उस के करीब था अय करीब और मय याहता हूँ तू मोहम्मद व आले मोहम्मद पर रहमत नाजिल इरमा और मेरी पलटने की जगह जन्नत करार दे.

और मेरी जगह तेरी रहमत में हों. मुझे इस में जगह दे, अपनी मआफी के जरिये और उसी जन्नत में छुरिल धन को मेरी जौजा करार दे. अपनी कुदरत के जरिये अय कुदरत मंह परवरदिगार. मैं सवाल करता हूँ उस नाम के वास्ते कि जिस नाम के जरिये जनाबे नूह ने तुजसे से मांगा हय, अय परवरदिगार मैं मगलूब हूँ मय डार गया हूँ. अब तु मेरी मदद कर.

बेशक हम ने भोला आसमान के दरवाजे को बहुत से पानी के लिअे, जमीन से हम ने यशमा जारी किया जमीन और आसमान दोनों के पानी मिल गअे आपस में और जो लोग किशती पर सवार थे वह किशती जो डील और तप्ते की बनी हुई थी उनको निजात दे दी

या अह्मद ! धामे जमाना (अ.त.इ.श.)ना मुहुरमां जल्दी कर. १०

उनकी दुआ को मुसलमान इरमाया और मैं याहता हूँ तू मोहम्मद व आले मोहम्मद पर रहमत नाजिल इरमा और जो मुज पर जुल्म करता हय उसके जुल्म से मुजे निजात दे और जो मेरे उपर जुल्म करना याहता हय मुजे भया ले और मेरी किफायत कर. हर जालिम बादशाह के शर से ताकतवर दुश्मन से और जो जलील करना याहता हय उससे भया ले, हर शैतान से जो ना इरमान हय. हर सप्त हंसान से और हर इरेब कार के इरेब से.

अय बड़ोत जयादा मोहब्बत करने वाले परवरदिगार मैं तुजसे सवाल करता हूँ उस नाम के वास्ते से कि जिस बंदे का नाम पैंगबर हजरत सालेह (अ.स.) है जिस ने तुज पर सलवात पढी हय जिस को तूने हर परेशानी और नुकसान से निजात दी हय और दुश्मनों पर भुलंढी अता की हय और उसकी दुआ को कबूल किया हय और तू उनसे करीब था अय करीब. रहमत नाजिल इरमा मोहम्मद व आले मोहम्मद पर.

या अह्मद ! ईमामे जमाना (ज.त.इ.स.)ना मुहुरमां जल्दी दर. ११

और मुझे निजात दे जो मेरी दुश्मनी यादता हय और मेरे हसद करने वाले कोशिश करते हैं उनसे निजात दे और अपनी किफायत के जरिये हमें बचा ले.

अपनी वलायत को मेरी सरपरस्ती बना और मेरे दिल को अपनी छिदायत के लिये मोअय्यन कर, मेरी मदद कर अपने तकवे से और मुझे तेरी रजा में देखने वाला और जानने वाला समज और अपनी बे नियाजी से मुझे बे नियाज बना. अय मेरे बप्शाने वाले परवरदिगार. मैं तुज से सवाल करता हूँ उस धम्म के वास्ते से जिसे तेरे भंटे और तेरे नबीओ पैगंबर उजरत छब्राहीम जो आप के दोस्त हैं, उन्होंने सवाल किया के जिस वक्त नमरूद ने यह यादा कि उनको आग में डाला जाये तो तूने आग को ठंडा और भा सलामत करार दिया. तूने उनकी हुआ को कबूल किया और तू उन से करीब हो गया. अय करीब तू मोहम्मद व आले मोहम्मद पर रहमत भेज, उरारते आग को मेरे उपर ठंडा कर और उसके शोले को मेरे लिये बुजा दे और

या अह्लाह! र्छमाये अमाना (अ.त.इ.श.)ना सुहुरमां जल्दी कर. १२

उसकी गरमी से मेरे दुश्मनों की आग को उनके ही बदन के साथ करार दे और उनके मक व हीले को उनकी गरदनों में डाल दे.

परवरदिगार मुझे बरकत दे, जैसा कि मोहम्मद व आलेमोहम्मद को भा बरकत बनाया. व तेहकीक तू बप्शने वाला हय.

परवरदिगार मैं तुज से सवाल करता हूं उस धम्म के जरिये जो जनाबे एसुमाईल अलैहिस्सलाम ने हुआ की. तूने उनको नबी व रसूल बनाया, तेरा हरम उनके रहने की जगह और धबाहतगाह बनाया और तूने उनकी हुआ को कबूल किया और निजात दी उन्हें जिबल होने से और छालांकि वोह तेरी रहमत से बहुत जियादा करीब थे. अथ करीब तू उनके बहुत करीब हय तू रहमत नाजिल इरमा मोहम्मद व आले मोहम्मद पर.

मेरी कब्र को वसी करार दे मेरे गुनाह को मुज से दूर करदे और मेरे काम को मजबूत कर दे और मेरे गुनाहों को बप्श दे, मुजे तौबा करने की तौफीक दे और

या अह्माह ! ईमामे अमाना (रा.त.इ.श.)ना मुहरमां जल्दी कर. १३

मेरे गुनाहों को मआफ़ कर दे और मेरी नेकियों को जियादा कर, और बलाओं को दूर कर

और मेरे कारोबार में फ़ायदा कर. युगलभोरी को मुज से दूर रख, तू दुआओं का कभूल करने वाला हय, तू भरकतों को नाजिल करने वाला हय. तुं हाजतों का भर लाने वाला हय. तुं अच्छी चीजों को देने वाला हय और आसमानों में सब से बुजुर्ग हय.

और अय पालने वाले मैं तुज से सवाल करता हूं उन चीजों को वसीला व तवस्सुल करार देते हुअे कि जिन चीजों के जरिये से तुज से सवाल किया था तेरे भलील के भेटे इसमाईल अलैहिस्सलाम ने और इसी वसीले के जरिये से तूने उन्को जिबाह डोने से निजात दी, और तूने इस कुंरबानी को जिबडे अजीम में तबहील कर दीया. जबकि यकीन था कि वह जिबह डो जाअेंगे और वह अपने वालिह के हुकम पर राजी थे. लेकिन जब तुज से मुनाजात की तो तूने छुरी की धार को दूसरी तरफ़ ફेर दिया. और तूने इसमाईल की दुआ को कभूल

या अह्लाह ! ईमामे जमाना (अ.त.इ.श.)ना मुहुरमां जल्दी कर. १४

किया और तू उनके बहुत नज़दीक था, अय नज़दीक होने वाले. मैं यादता हूँ तुं मोहम्मद व आले मोहम्मद पर दुश्म भेज और तू मुझे दर बुराई व बला से निजात दे. और तू मुझ से ना उम्मीदी की तारीकी को खतम कर दे (दूर कर दे) और तू मेरे लिये दुनिया व आभेरत में जो चीज़ें मुहिम हैं उनको काफ़ी करार दे, और वह चीज़ें जिस से मैं डरता हूँ उस से परहेज़ करूँ. और उन तमाम बुराईयों से परहेज़ करूँ बसक़े मोहम्मद व आले मोहम्मद.

और अय पालने वाले मैं तुझ से सवाल करता हूँ उन असमाअ के तवस्सुल से कि जिनके जरिये से जनाबे लूत अलैहिस्सलाम ने हुआ की और तूने उनको और उनके अहलो अयाल को निजात दी, ज़मीन में घंसने से और मकान के मुनहदिम होने से और शिदत व मशक्कत में मुत्तेला होने से और तूने उनको और उनके अहलो अयाल को अक बहुत बडी मुसीबत से निकाला, और तूने उनकी हुआ को कबूल इरमाया और अय

या अह्लाह ! र्छामां अमाना (अ.त.इ.श.)ना मुहुरमां जल्दी दर. १५

करीब होने वाले तू उन से बहुत करीब था (मैं यादता हूँ कि) तू मोहम्मद व आले मोहम्मद पर दुर्रद भेज, और अय मेरे परवरदिगार तू मुझे धजाजत दे उन कामों के जमा करने की जो बिजरे हुअे हैं. और तू मेरी आंभों की ठंडक करार दे मेरे भेटे को, मेरे अहल व अयालक और मेरे माल को और मेरे तमाम कामों की धसलाल कर और तू मेरे तमाम अहवाल में भरकत अता इरमा और तू मेरी प्वाडिशों को पूरी इरमा और जहन्नम क आग से पनाह दे और तू अपने युने हुअे भरगुजीदा भंडों के वास्ते से यानी नेकूकार अधम्मा जो अनवार में से अेक नूर हैं, यानी मोहम्मद व आले मोहम्मद जो पाक व पाकीजा हैं. और वह पेशवा जो छिदायत करने वाले हैं और वह सभ के सभ भरगुजीदा और युने हुअे हैं और उन तमाम लोगों पर अल्लाह की दुर्रद हो.

और उनकी हम नशीनी रिज़ूक का सभल बनती हय, और मेरे उपर उनकी रझकत व दोस्ती करार दे. और तू मुझे तौझीक दे उनकी हमनशीनी की, अपने

या अह्लाह ! ईमामे प्रमाना (अ.त.इ.श.)ना मुहुरमां जल्दी कर. १९

अंबिया व मुरसलीन के साथ, और अपने मोर्क़रब तरीन इरिश्तों के साथ और अपने नेक व सालेह बंदों के साथ और वह तमाम के तमाम जो तेरी धताअत करते हैं और मुर्क़बीन इरिश्ते जो तेरे "अर्श को उठाये छुओ हैं.

पालने वाले मैं तुज से सवाल करता हूँ उस धम्म के साथ जिस धम्म के साथ जनाबे याकूब ने तुज से सवाल किया था, दर आं डाल यह कि वह नाबीना हो गये थे. और मआशरे से अलग हो गये थे और अपनी आंभों की ठंडक यानी अपने बेटे को धो यूके थे, पस तूने उनकी दुआ को कबूल किया और उनकी दूरी को नज़दीक की और उनकी आंभों को बीनाई पलटाई, और उनकी मुसीबतों को दूर किया और अय करीब तू उन से बहुत करीब था (और मैं याहता हूँ) कि तू मोहम्मद व आले मोहम्मद पर दुर्इद भेज और तू मुझे धजाजत दे उन तमाम चीजों को जमा करने की जो मेरे उपर लाज़ीम हो चुकी हैं. और तू मेरे बेटे को, मेरे अहल मेरे माल को

या अह्दाह ! ईमामे जमाना (अ.त.इ.श.)ना मुहुरमां जल्दी दर. १७

मेरी आंखों की ठंडक करार है. और मेरे तमाम कामों की इसलाह कर. और मेरे तमाम डालात को बाधसे भरकत करार है और मेरी आरजूओं को पूरी इरमा. और मेरे कामों की इसलाह कर अय करम वाले, अय साहेबे बुजुर्गी अपनी रहमत के साथ, अय सभ से जियादा रहम करने वाले.

अय परवरदिगार मैं तुज से सवाल करता हूँ उन नामों के साथ जिन नामों के वसीले से तेरे बंटे, तेरे नबी जनाबे यूसुफ अलैहिस्सलाम ने हुआ की थी और तूने उसकी हुआ को कबूल किया और तूने उसको छतने गेहरे कुंवे से निजात दी, और उनकी परेशानियों को दूर किया और तूने उनको उनके इरेब देने वाले भाधयों से बचा लिया. और तूने उसके बाद जनाबे यूसुफ को अेक बादशाह का गुलाम करार दिया. और उनकी छर हुआ कुबूल इरमाई. अय करीब तू उनसे बहुत करीब था. (मैं थाहता हूँ) कि तू मोहम्मद व आले मोहम्मद पर सलवात भेज, और छर धोका देने वाले के धोके से और

या अद्याह! ईमामे जमाना (अ.त.इ.श.)ना मुहुरमां जल्दी कर. १८

उस चीज से कि जिस से लोग हसद करते हैं उसको मुजसे दूर रभ. बेशक तू हर शय पर कादिर हय.

अय पालने वाले मैं तुज से सवाल करता हूं उन असमाअ के तवस्सुल से कि जिस असमाअ के जरिये तूने अपने बंटे और अपने नबी मूसा धन्ने धमरान क दुआ को कबूल इरमाया, उस वक्त कि जब तूने कल अय पाक, अय बुलंद भरतभा वाले मुजे आवाज दी पछाड के टाछनी तरफ से और तूने-उन्को अपने से करीब किया, राज व नियाज की गुफ्तगू करने के लिअे और तूने दरिया में उनके लिअे सूभा रास्ता बनाया, उनको और उनके साथ जो बनी धसराधल में से थे सभ को तूने निजात दी. और फिरऔन व छामान और उनके लशकर के तमाम सिपाहियों को गर्क कर दिया और जनाबे मूसा की दुआ को तूने कुबूल किया और अय करीब तू उन से बहुत करीब था, और मैं तुज से सवाल करता हूं कि तू मोहम्मद व आले मोहम्मद पर दुइद नाजिल इरमा, और उन तमाम शर से मुजे मेहकूज रभ जिनको तूने

या अद्याह ! धमामे जमाना (अ.त.इ.श.)ना मुहरमां जल्दी कर. १८

पैदा किया हय और तू मुझे करीब कर अपनी बर्षिश से. और अपने झल को मेरे ठीपर कुशादा करदे, छतना कुशादा कर कि मैं तेरी तमाम मजलूकात से बे नियाज हो जाऊँ. और तू मेरे लिये अयसा हो जा कि मैं तेरी मगड़ेरत और तेरी रजा को पाऊँ. तू मेरा वली हय और तमाम मोमेनीन का वली हय.”

पालने वाले मैं तुज से सवाल करता हूँ उन अस्माअ के जरिये से कि जिनके जरिये से तेरे बंदे तेरे नबी दाउिद ने दुआ की और तूने उनकी दुआ को कबूल करमाया था और पछाडों ने उनके हुकम पर अमल किया था वह पछाड जो सुबह व शाम तेरी तसबीह व तेहलील करते हैं और तमाम के तमाम तेरे बंदे तेरी तसबीह करते हैं और तूने अपनी हुकूमत को मजबूत बनाया हय और तूने उनको छिकमत व भेताब अता किया हय और तेरी ही अता से वह लोहे को मोम बना देते थे और तूने उनको वह तालीम अता की हय कि उसी से जिरह बनती हैं और तूने उनके गुनाहों को मखाफ़ किया, तू

या अह्लाह ! र्मामे जमाना (अ.त.इ.स.)ना मुहुरमां जल्दी कर. २०

उनके बहुत करीब था, अथ करीब, मैं तुज से सवाल करता हूँ, तू मोहम्मद व आले मोहम्मद पर दुर्इ नाजिल इरमा और मेरे तमाम उमूर तेरे इफ्तियार में हैं. मेरी तकदीर को आसान कर दे और तू मुझे इबादत व मगफ़ेरत की तौफ़ीक अता इरमा और तमाम जालेमीन के जुल्म से दूर रख और धोका देने वाले के धोके से और मक करने वाले के मक से मेहकूज़ रख और फिरऔनियों के जोर व ज़बरदस्ती से, हासिहों के हसद से, भौड़ हिलाने वालों के भौड़ से मेहकूज़ रख और मुझे अयसी जगह पनाह दे, जहां इतमिनान व ऐअतेमाह हो और मोमेनीन हों और तुज पर उम्मीद रखने वाले हो और ऐअतेमाह करने वाले सालेह हों, अथ सब से ज़ियादा रहम करने वाले.

अथ पालने वाले मैं तुज से सवाल करता हूँ उन असमाअ के जरिये जिन असमाअ के जरिये तेरे भंटे तेरे नबी सुलैमान इब्ने दाउद अलैहिस्सलाम ने दुआ की थी. जब उन्हींने कहा पालनेवाले तू मुझे अयसा मुल्क

या अह्वाह ! र्मामे जमाना (अ.त.इ.श.)ना मुहुरमां जल्दी दर. २१

अता इरमाटे के इर मेरे बाद किंसी को अयसा मुल्क
 अता ना करे, बेशक तू बप्शाने वाला हय. बेशक तूने
 मेरी हुआ को कबूल इरमाया और मुजे तमाम
 मखलूकत पर हुकूमत अता की. और वह नबी हवा पर
 सइर किया करते थे, परिदों की ज़बान समजते थे और
 तूने उनको शैतान के मक व इरेब से दूर रखा. दूसरों के
 दरवाजे को जंजूर से बंद कर दिया और जो कुछ उनको
 अता किया था वह सब तूने ही अता किया (ना कि तेरे
 अलावा और किसीने) अय करीब, तू उनके बहुत करीब
 था (मैं याहता हूँ) तू रहमत नाज़िल इरमा मोहम्मद व
 आले मोहम्मद पर और मेरे कल्ल की हिदायत इरमा
 और मेरी अकल की गिरेह को फोल दे और मेरे गम को
 दूर करदे मुजे फौड़ से पनाह दे, असीरी से रिहा कर
 और मेरी पुश्त को मजबूत बना. अपने नफ़स की
 तरबियत के लिअे मुजे मोहलत दे, मेरी हुआओं को
 कबूल इरमा, मेरी आवाज़ को सुन ले और मुजे जहन्नम
 का ईंधन करार ना दे और दुनिया को मेरे लिअे बडा

या अह्मद ! ईमामे जमाना (अ.त.इ.श.)ना मुहुरमां जल्दी कर. २२

मकसद करार ना हे, मेरे रिज़क में वुसअत अता इरमा मेरे अभूलाक को अच्छा बना, मेरी गरदन को जहनुम की आग से आजाद कर, बेशक तू मेरा सरदार, मौला और मेरी आरजूओं को पूरा करने वाला हय.

पालनेवाले मैं तुज से सवाल करता हूं उन असमाअ के जरिये से जिन के जरिये जनाबे अय्यूब (अ.स.) ने हुआ की. उस वक्त जब कि सभ कुछ ठीक था, लेकिन उसके बाद जब बला नाजिल हुआ, बीमार होने के बाद शफ़ायाम हुआ, वसीअ कुहरत के बाद तंगी आई. यकीनन तूने उनकी तमाम मुशकेलात को हल किया और उनको उनके पानदान की तरफ़ पलटाया, जब उन्होंने तुजे आवाज दी और तुज से हुआ मांगी और तुज से उम्मीद और लौ लगाये बैठे थे. अय परवरदिगार मैं भी उसी तरीके से मजबूर नायार हूं और तू सभ से ज़ियादा रहम करने वाला हय पस तूने उनकी हुआ को कबूल इरमाया.

और तमाम मुशकेलात को दूर इरमाया. पस तू

या अहसाह ! हमामे प्रमाना (अ.त.इ.श.)ना सुहरमां जल्दी कर. २३

बहुत करीब था, अथ करीब, मैं याहता हूँ कि तू
 मोहम्मद व आले मोहम्मद पर दुर्इद नाजिल इरमा और
 मेरी परेशानियों को दूर कर और मेरे नफ़स व अहेल व
 माल व औलाद और भाइयों को अपने छिड़क व
 अमान में रभ, और अथसे छिड़क व अमान में रभ ने
 मेरे लिये काफ़ी और पाअेदार हो और छतनी भिकदार
 में रोज़ी दे कि मैं बे नियाज़ हो जाऊँ, छिदायत वाला हो
 जाऊँ, और उस रोज़ी को मेरे लिये लिभास करार दे
 और मेरी आंभों और मेरे कानों को झाअेदा उठाने
 वाला बना और उन दोनों को छकीकी मेरा वारिस करार
 दे. बेशक तू हर शय पर कादिर हय.

अथ पालने वाले मैं तुज से सवाल करता हूँ उन
 असमाअ के जरिये कि जिस के जरिये जनाबे यूनुस ने
 सवाल किया था मछली के पेट में. जब के तीन दिन
 अंधेरों के दरमियान में थे, जब तुजें पुकारा और तुज से
 कहा के तेरे सिवा कोई मअबूद नहीं हय. तमाम
 तसबीह तेरे लिये हय, बेशक मैं जालिमों में से हूँ.

या अदवाह ! र्थमामे जमाना (अ.त.इ.श.)ना मुहुरमां जल्दी कर. २४

कोई भी नहीं है सिवाये तेरे, तू पाक व पाकीजा है, मैं जुल्म करने वालों में से हूँ (छांलाके) तू रहम करने वालों में सब से ज़ियादा रहीम है। पस तूने उनकी दुआ को कबूल किया और उनके लिये कद्दू का दरम बनाया. और उसने तब एक लाभ घन्सानों को भेजा है. अय करीब होनेवाले तू उन से बहुत करीब था. मैं यादता हूँ कि तू मोहम्मद व आले मोहम्मद पर सलवात भेज और उनकी दुआ को कबूल कर.

मैंने अपने नफ़स पर जुल्म किया है, इस लिये मुसीबतों के दरया में गर्क हो गया हूँ. बहुत ज़ियादा जुल्म हुआ है तेरे बंधों की वजह से मेरे ज़िपर. मोहम्मद व आले मोहम्मद पर सलवात भेज और मुझे उन से पनाह दे और मुझे आग से बचा ले. मुझे आजादी दे, बलाओंसे और आजाद शुदा लोगों में से करार दे. अपनी नेकी की वजह से अय बहुत अहसान करने वाले. अय मेरे जुदा में तुज से सवाल करता हूँ उन असमाअ के तवस्सुल से कि जिन असमाअ के जरिये तूने

या अह्लाह ! र्गामे जमाना (अ.त.इ.श.)ना मुहुरमां जल्दी दर. २५

अपने बंदे अपने नबी, जनाबे ईसा, जनाबे मरियम के बेटे ने दुश्मन भेजा. उस मक्के पर जब उलुल कुदुस पहुंचे और जब उन्होंने गेहवारे में कलाम किया (यानी जूले में). उनके भोजन से मुरदे जिंदा होते थे और उनके जरिये से और तेरी धजात से, तूने मादर और बेटों को बीमारी से शिफा बप्शी और तूने मिट्टी से परिंदे की शकल को बनाया, पस वह तेरे धजन से उडने लगा. अय करीब होने वाले, तू उन से बहुत जियादा करीब हय.

(मैं यादता हूँ) तू मोहम्मद व आले मोहम्मद पर सलवात भेज और मुझे जिसके लिये पैदा किया हय उस से इरिग रफ. और मुझे मशगूल ना कर उसमें जिसमें मेरे लिये जहमत व परेशानी हय और मुझे दुनिया में धबाहत गुजारों और जाहिदों में करार दे और पैदा किया हय तूने जिसको आइयत के साथ और बुजुर्गी दी उसकी जिंदगी को आइयत के साथ, जिन लोगों के लिये उनको गुजारा हय.

या अहसाह | ईमामे जमाना (अ.त.इ.श.)ना मुहुरमां जल्दी कर. २५

अय बपशाने वाले पुढा, अय महेरबान पुढा, मैं तुज से सवाल करता हूँ उस घस्म के जरिये जिस नाम के जरिये आसिफ़ घबने भरपिया, जो मुलकअे सभा पर जेठे लुग्मे थे उसने दुआ की, जिस की अेक पलक जपकी तो उनकी आंभो के सामने तप्त था. पस जैसे ही उसने उसके मुल्क को देभा उस से कह दिया, तुम्हारा तप्त जो अयसा हय (बिलकीस ने) कहा - यही हय. पस उसकी दुआ को तूने कुबूल कर लिया.

अय करीब होने वाले, तू उन से बहुत जियादा करीब था (मैं याहता हूँ) तू मोहम्मद व आले महोम्मद पर सलवात भेजे और मेरे वह गुनाह जो भुरे हय, मुज से दूर रभ, मेरी अख़ाईयों को मुज से कुबूल कर और मेरी तौबा को कुबूल कर और जो मेरे उपर गुरभत आ गई हय उसको दूर करदे और मेरी हार को ખत्म कर दे और मेरे दिल को अपनी याद में जिंदा रभ और मुजे आक़ियत के साथ जिंदा रभ (बाका रभ).

(मैं तुज से याहता हूँ) उस घस्म के जरिये जो तेरे

या अह्वाह ! ईमामे जमाना (अ.त.इ.स.)ना मुहुरमां जल्दी कर. २७

बंदे तेरे नबी जकरिया ने उस पर दुर्रद भेजो इस डालत
 में कि जब तुज से हुआ की थी और शौक था कि उम्मीद
 के साथ तेरी बारगाह में बप्श दिया जायेगा, पस
 धन्दाते मेहराब भरभास्त हुँ इस डालत में
 आहिस्ता आवाज में किसी ने पुकारा और कडा
 परवरदिगार अपने पास से मुझे अक भेटा अता कर,
 जो आले याकूब से हो, मेरा पसंदीदा नेक वारिस करार
 दे, पस यहया को उसने अता किया और हुआ को कुबूल
 किया. अय करीब होने वाले तू उन से बहुत जियादा
 करीब हय (में याहता हूँ) तू मोहम्मद व आले मोहम्मद
 पर दुर्रद भेजे. और उस के भेटे की डिफाजत कर और
 मुज को उस का डिस्सेदार बना, मुजे और ईमान लाने
 वालों को और जो मुश्ताक हैं सवाब के. वह उम्मीदवार
 है उसके जो तेरे पास हैं और जो मेरे पास नहीं हैं मुजे
 उससे ना उम्मीद न करार दे और हमें पाक व पाकीजा
 जिंदगी के साथ जिंदा रख. और पाक व पाकीजा मौत के
 साथ उठा ले वह जो तू याहता हय, और अंजाम दे.

या अह्दाह ! ईमामे जमाना (अ.त.इ.स.)ना सुहूरमां जलदी कर. २८

अय भुदा मैं तुज से सवाल करता हूं उस घस्म के वास्ते से जिस घस्म के साथ फिरऔन की बीवी ने तुज से सवाल किया, जिस वक्त उस ने कछा परवरद्विगार मेरे लिये जन्नत में अेक घर बना और मुजे फिरऔन और उसके भुरे काम करने वाखों से निजात दे और मुजे जालेमीन के गिरोह से रेहाई दे. यकीनन तूने उसकी दुआ को कुबूल कर लिया, अय करीब होने वाले तू उन से बहुत जियादा करीब हय (मैं याहता हूं) तूं मोहम्मद व आले मोहम्मद पर सलवात भेजे. मैंने देखा हय अपनी आंभों से जन्नत को और उसे जो करम बप्शा हय उसको भी देखा हय और अपने औलिया को रौशन. और मोहम्मद व आले मोहम्मद के सटके में राहत व आराम बप्शी हय. मुजे उन से और उनकी आल से और उनके सोहबत वालों को, उनके दोस्तों को मानूस किया हय और उन तमाम नेक कामों को मुजे देदे और आग से निजात बप्शा और वहां जो अहले आग के लिये आमादा किया हय, जंजूरों से, बेडियों और

या अह्लाह। ईमामे जमाना (अ.त.इ.श.)ना मुहुरमां जल्दी कर. २८

नेज़ों से और कीलों से और अज़ाब की किस्मों से रेखाई दे, अपने लौटने के लिये. अब करामतों वाले परवरदिगार मैं तुज़ से सवाल करता हूँ उस नाम के ज़रिये कि जिस नाम के वास्ते से तेरे सिद्दीक बंटे ने, मरियम बतूल, मसीह रसूल की मां ने, तुज़ से सवाल किया था. मरयम बिनते हमरान, हममतो तहारत ने, ખુદ अपनी હિફાજત की હય, હસ મેં તૂ ને अपनी રૂહ ડાલી और उसने अपने रब के कलेमात के ज़रिये से और क़िताब के ज़रिये से उसकी तसदीक की. यह ખુદા के હુકમ से એક હુકમ था. જનાબે મરયમ की દુઆ કુબૂલ હુઈ. अब करीब होने वाले, तू उन से बहुत ज़ियादा करीब હय मैं याહता हूँ तूँ मोહम्मद व आले मोહम्मद पर सलवात बेज और तू मेरी એક મજબૂત કિલે મેં હિફાજત કર જો कि तेरा सभ से मजबूत किला हो.

और मोहकम जमीन पर मेरी ह़िफ़ाज़त इरमा और मेरे लिये उस चीज़ को काफ़ी करार दे जो तेरे नज़दिक काफ़ी हय. हर सरकश की सरकशी से मुझे

या अस्वाह ! हमामे ज़माना (अ.त.इ.श.)ना मुहूरमां जल्दी कर. 30

मेहकूज रफ. हर तजावुज करने वाले के जुल्म से, हर मक करने वाले के मक से, और हर भयानत करने वालों की भयानत से, और हर जादू करने वालों के जादू से हर जालिम व जाबिर बादशाह के जुल्मो, जौर से, अय डिफ़ाजत करने वाले, मुझे अपनी डिफ़ाजत में लेले.

परवरदिगार में तुज से सवाल करता हूं उन असमाअ के जरिये से कि जिन असमाअ के जरिये से तूने अपने बंटे और युने हुअे नबी की दुआ को कभुल इरमायी और वह जो तेरी मभलूक में से बेहतरीन मभलूक हय और वह मभलूक जिस पर तेरी वही नाजील हुई (जिअर्रले अमीन) के जरिये और वह अपने परवरदिगार की तरफ़ से पैगाम ले आये, तेरे रसूल पर, उस मोहम्मद मभलूक की तरफ़, कि जिस मोहम्मद को तूने भल्क किया जो तेरे पालिस और मभूसूस बंटे थे. पालने वाले तुं उन पर दुइद भेज, तूने उनकी दुआ को कुबूल इरमाया और तूने जैसे लशकर के जरिये से उनकी मदद की, जिस को नहीं देभा गया. वह

या अह्लाह ! र्मामे जमाना (अ.त.इ.श.)ना मुहुरमां जल्दी कर. 39

ફિર તૂને ઉનકો અપને કલેમાત કે ઝરિયે બુલંદ ક્રિયા, વહ કલેમા કિ જિસ કે ઝરિયે કાફિર માયૂસ હો ગએ.

અય કરીબ હોને વાલે, તૂ ઉન સે બહુત ઝિયાદા કરીબ થા (મैं याહता हूँ) તૂ મોહમ્મદ વ આલે મોહમ્મદ પર સલવાત ભેજે, અયસા દુરૂદ જો પાક વ પાકીઝા હો, હંમેશા બાકી રહને વાલા હો ઓર મુબારક હો, જિસ તરીકે સે ઉનકે પિદર ઇબ્રાહીમ ઓર ઓલાદે ઇબ્રાહીમ પર દુરૂદ ભેજા ઓર ઉન પર બરકત નાઝિલ ફરમા.

જિસ તરીકે સે જનાબે ઇબ્રાહીમ ઓર આલે ઇબ્રાહીમ પર બરકત નાઝિલ ક્રિયા, ઉન પર અયસે હી સલવાત ભેજ જેસે ઇબ્રાહીમ ઓર આલે ઇબ્રાહીમ પર સલવાત ભેજા ઓર ઉસકે, અલાવા ઓર ઝિયાદા સલવાત, બરકત, રહમત જો તેરે પાસ બેહિસાબ હય. ઓર મુજે ઉન્હીં લોગોં મેં શામિલ કર ઓર ઉન્હીં લોગોં મેં કરાર દે ઓર ઉન્હીં કે સાથ મેહશૂર કર, ઉન્હીં લોગોં કે સાથ મેં શુમાર કર યહાં તક કિ મેં ઉનકે સાથ હોઝે કૌસર સે સૈરાબ હો જાઝિં, ઓર દાખિલ કર મુજે ઉન

યા અદ્દાહ ! ઈમામે ઝમાના (અ.ત.શ.સ.)ના મુહુરમાં જલ્દી કર. ૩૨

लोगों के गिरोह में और मुझे उन्हीं लोगों के साथ जमा कर और उन्हीं के जिरिये से मेरी आंभों को ठंडक दे और उन्हीं के जिरिये से मेरे सवालों को पूरा करमा और मेरी हीन व दुनिया और आभेरत की छाजतों को पुरा करमा.

और मेरी जिंदगी और मोत उन्हीं के साथ हो और उनको मेरा सलाम पहुंचा और उनके, जवाबे सलाम को मेरी तरफ पलटा पालनेवाले तू उन पर रहमतों व भरकतों, दुइद नाजिल करमा, पालने वाले तू आधी रात में पुकारता हय, कि हय कोई जो मुज से सवाल करे मैं उसको अता करूं, हय कोई मुज से दुआ करने वाला के मैं उसे अता करूं. आया हय कोई मुज से छस्तिगहार करने वाला कि मैं उसकी तौबा को कुबूल करूं, आया हय मुज से कोई उम्मीद रपने वाला कि मैं उसकी उम्मीद को पूरा करूं आया हय कोई मुज से आरजू रपने वाला के मैं उसकी आरजू को पूरा करूं, अय पालने वाले मैं तेरी प्यारगाह मे तुज से सवाल करने के लिये जडा हूं.

या अह्लाह ! र्छमाने प्रमाना (अ.त.इ.श.)ना मुहुरमां जल्दी कर. 33

और तेरे दरवाजे पर मिसकीन हूँ, तेरे दरवाजे का
 जर्घड़, नातवां बंढा हूँ और तेरे दरवाजे का झकीर हूँ
 और तुज से आरजू लगाये बैठा हूँ, मैं तुज से उम्मीद
 लगाये सवाल करता हूँ और तेरी रहमतों पर उम्मीद
 करता हूँ और तेरी बख्शिश पर भरोसा करता हूँ और
 मैं तुज से धन्यवाद करता हूँ कि तू मुझे बख्श दे. (अब
 परवरद्विगार) मैं यादता हूँ तू मोहम्मद व आले
 मोहम्मद पर सलवात भेज, मेरे सवालों को पूरा इरमा,
 मेरी आरजू को पूरा इरमा, मेरे झक को जल्म कर दे,
 और मेरी सरकशी पर रहम इरमा, मेरे गुनाहों को
 दरगुजर इरमा, मेरी गरदन को उन मजालिम से
 आजाद इरमा जो मेरा तेरे बंटों पर लक लय, और मुझे
 कृप्यत अता इरमा और मेरी बे यारगी की धजूजत
 अझलाही इरमा, और मुझे साबित कदम इरमा, मेरे
 जुर्म को बख्श दे, और मेरी झिक व जडेन को बुलंद
 इरमा, और मेरे माले हलाल को जियादा कर, और
 दुनिया के तमाम कामों में मेरे लिये पैर व भरकत अता
 या अह्लाह ! ईमाने जमाना (अ.त.इ.श.)ना मुहरमां जल्दी कर. 37

ફરમા, ઓર ઉન ચીઝોં કે ઝરિયે સે મુજે રાઝી ફરમા.

અય પાલને વાલે તૂ મુજ પર રહમ ફરમા ઓર હમારે વાલેદૈન પર રહમ ફરમા, ઓર ઉન લોગોં પર રહમ ફરમા જો મોમેનીન વ મોમેનાત મેં સે થે, મુસ્લેમીન ઓર મુસ્લેમાત મેં સે થે, યાહે વહ ઝિંદા હોં યા મુદ્દા, બેશક તૂ દુઆઓં કા સુન્ને વાલા હય. અય પાલને વાલે તૂ મુજ પર ઇલ્હામ કર ઉન નેકિયોં કા, જિન નેકિયોં કે ઝરિયે સે મેં અપને માં બાપ કો સવાબ પહુંચાઝિં, ઓર ઉનકો તૂ જન્નત કા મુસ્તહક કરાર દે, ઓર મેરે માં બાપ કી નેકિયોં કો કબૂલ ફરમા ઓર ઉનકી બુરાઇયોં કી મગૂફેરત ફરમા ઓર ઉન દોનોં કો બેહતેરીન જઝા દે જો ઉનહોં ને મેરે સાથ નેકી કી હય, ઉસકા ઉનકો બેહદ સવાબ દે ઓર ઉન્કો જન્નત મેં ભેજ. પાલને વાલે મુજે ઇસ બાત કા યકીન હય કિ તૂ ઉન પર ઝુલ્મ નહીં કરેગા ઓર તુ ઉનસે રાઝી હોજા ઓર કયા તૂ ઉનકી તરફ મુતવજ્જેહ નહીં હય? કયા તૂ નહીં યાહતા કિ ઉનકો દોસ્ત કરાર દે?

યા અલ્લાહ! ઈમામે ઝમાના (અ.ત.ફ.સ.)ના મુહરમાં જલ્દી કર. ૩૫

अय पालने वाले तू जानता छय उस कौम के बारे में जिन लोगों ने तेरे बंधों पर और मुज पर भी जुल्म व जियादती की, जब कि उनकी जियादती बगैर किसी छक के थी, बगैर किसी हलील के थी, बल्कि उन्हों ने जुल्म किया, अदावत की, बगैर वजह तोहमत लगाई, पस तूने अगर उन के लिखे अेक मुद्दत करार दी छय, और उन्हों ने उस मुद्दत को पूरा कर लिया, या तूने उनको मोहलत दी और वह मोहलत तमाम डो गई, यकीनन तेरा कौल सय्या छय, तेरा वादा सय्या छय, बेशक जो अल्लाह याहता छय, बाकी रफता छय और जिसे नहीं याहता छय ખत्म कर देता छय और वह उम्मुल किताब जो तेरे पास छय, उस्मे सभ कुछ दर्ज छय.

पस अय पालने वाले मैं तुज से सवाल करता हूँ उन चीजों के जरिये से जिन चीजों के जरिये तेरे पास बंधों ने सवाल किया और मलाअेकाअे मुकर्रैबीन ने

या अह्मद ! ईमामे जमाना (अ.त.इ.स.)ना मुहुरमां जल्दी कर. 35

सवाल किया.

तूने उम्मुल किताब में उनको जो मोहलत दी हय उसे ખત્म करदे और उन लोगों की नाबूदी व भूरे अंजाम को लिख दे, यहाँ तक कि वह अंजाम को पहुँच जाये, और उनकी मुदत को तमाम कर दे, उनके अय्याम को खत्म करदे, और उनकी उम्र को खत्म करदे और इंसिकों को हलाक इरमा, जो बाज, बाज पर मुसल्लत हें, यहाँ तक कि उस में से कोई अेक बाकी न रहे, और किसी अेक को निजात न दे, और उनकी सड़ों में इर्क पैदा करदे, और उनके असूलहों को बे असर कर दे, और उनकी ताकतों को खत्म करदे, और मोहलतों को तमाम कर दे, और उनकी उम्रों को कम करदे और उनके कदमों में लगजिश पैदा कर दे और उनके वुजूह से धस जमीन को पाक इरमा और अपने बंदों पर यह बात तू जाहिर कर दे. यह वह लोग हय जिन्होंने तेरी सुन्नत को तब्दील किया और तेरे वादे को तोड दिया और तेरी हद की धुरमत न की और उन लोगों ने तेरे हुकम से धनकार

या अधाह ! र्मामे जमाना (अ.त.इ.श.)ना मुहूरमां जल्दी कर. 3७

किया और तेरे हुकम की बडी से बडी सरकशी की और
 वह सब से बडे गुमराहों में से थे. पस मैं याहता हूं तू
 मोहम्मद व आले मोहम्मद पर सलवात भेज और
 उनकी ताकत को भत्म करदे, उनकी जिंदगी को मौत में
 तब्दील करदे, और उनकी अजूवाज को गारत करदे,
 और जो तेरे मुप्पिलस बंटे हैं उनको जुल्म से आजाद
 कर, और उन जालीमो को शिकस्त दे और उनके हाथों
 को कोताह कर और उन लोगों के जरिये से अपनी
 जमीन को पाक कर और उन को हुकम दे कि तेरी
 जराअत से दूर हो जायें (यानी उनकी भेती बरबाद हो
 जाये) और उनके माल भत्म हो जायें और उनकी
 हुकूमत बिभर जाये और उनकी बुनियाहें नीस्त व
 नाबूह हो जाये. अय करामतों व बुजुर्गी वाले, मैं तुज
 से सवाल करता हूं अय मेरे भुदा और हर शय के भुदा.

अय मेरे पालने वाले और हर चीज के पालने वाले
 मैं तुज से सवाल करता हूं तुज से दुआ करता हूं, उन
 चीजों के जरिये से कि जिन चीजों के जरिये से तेरे बंटे,

या अह्लाह ! ईमामे जमाना (अ.त.इ.श.)ना मुहुरमां जल्दी कर. 34

तेरे रसूल, तेरे नबी, और तेरे युने हुअे मूसा व हा़्ज़न अलैहिस्सलाम ने हुआ की हय, जबकि उन दोनों ने तुज़ से हुआ की और तेरे इज़ल की उम्मीद की. अय परवरदिगार तूने फिरऔन और उसके लशकर को माले हुनिया में से बहुत ज़ियादा अता किया और वह जालीम उसके ज़रिये से तेरे बंदों को गुमराह करता हय, परवरदिगार तू उसके माल को भरबाह करदे, और उनके दिलों को सप्त करदे कि वह ईमान ना लाअें, यहां तक कि वह तेरे दर्दनाक अज़ाब को देख लें.

मूसा व हा़्ज़न ने तुज़ से मन्नत की और तूने उनको नेअमत अता की और उनकी हुआ को कुभूल इरमाया, यहां तक के वह तेरे हुकम को यहां तक पहुंचाये. अय भुदा तूने इरमाया के मैं ने तुम दोनों की हुआ को कभूल इरमाया और उन दोनों को ताकत अता की और उन दोनों ने जालीमो की पैरवी नहीं की, उन लोगों की, जो लोग, तेरे रास्ते को नहीं जानते थे, अय परवरदिगार मैं याहता हूं के तू मोहम्मद व आले मोहम्मद पर सलवात

या अज़ाह ! ईमामे ज़माना (अ.त.इ.श.)ना मुहुरमां जल्दी कर. 3E

लेजे.

और जुल्म व सितम करने वालों के अमवाल को भत्त करदे और उन के दिलों को सप्त करदे और उन को जहन्नम मे लेजे दे और उनको अपने दरिया में गर्क करदे और जिस आसमान व जमीन के नीचे वोह हैं, वह तेरे छप्तिवार में हैं और उसमें तेरी कुदरत छय.

और उनके जुल्म को लोगों पर अयां करदे. पस अय परवरदिगार उनके साथ अयसा ही कर और अयसा करने में जलदी कर, तू कितना अच्छा छय कि तुज से सवाल किया जाये और कितना अच्छा छय के तूने उनके येहरे को जलील किया. "मैंने तेरी तरफ़ छाथों को उठाया और जभान से दुआ की और तेरी निगाहें करम मभूसूस छो गई और उनके दिल तेरी तरफ़ आ गये और उनके कदम तब्दील छो गये और उनके आमाळ तेरे हुकम के मुताबिक छो गये.

पालने वाले मैं तेरा बंदा तुज से सवाल करता हूं उन असमाअ के जरिये से जो भूबसूरत असमाअ छय,

या अल्लाह ! ईमामे जमाना (अ.त.इ.स.)ना मुहरमां जलदी डर. ४०

हर उस काम के जरिये से सवाल करता हूँ जो भूबसूरत
 हैं, बल्कि मैं तुज से तमाम उन असमाज के जरिये से
 सवाल करता हूँ कि तू मोहम्मद व आले मोहम्मद पर
 दुर्इद नाजिल करमा. उन लोगों ने, जिन लोगों ने
 सरकशी की और बगावत की उनको उनके अंजाम तक
 पहुंचा और उनको बहुत गेहरे गोशे में डाल दे, उनको
 पत्थरों से मार और उन लोगों को तीरों के जरिये से
 मार, यहां तक कि वह जमीन में धंस जायें और उनको
 कमानों के जरिये से मार, उसके बाद उनको फिर पलटा
 और उनको पशेमानी व शरमिंदगी के साथ करदे, यहां
 तक के उनका गुजर भत्म हो जाये और जलील हो जायें
 और वह अपने काम की वजह से छोटे हो जायें. फिर
 उनकी गरदनो को बांध दे, हर हाल यह कि उसके जरिये
 से वह जलील व असीर होजायें और उसी से बांध
 जिस रस्सी की उन्होंने आरजू की थी, ताकि वह देखें
 और हम सब तेरी कुदरत को देखें. अपनी कुदरत व
 हुकूमत उनको दिखा और यह सब उसी गांव में कर

या अह्मद ! ईमामे अमाना (अ.त.इ.श.)ना मुहरमां जल्दी कर. ४१

जिस गांव में उन्होंने जुल्म किया था. बेशक तेरा बहला
 दर्दनाक अजाब है. अब परवरदिगार उन लोगों से
 बहला ले जिन्होंने ने बाधजूत और उमदा शम्सियतों
 के साथ जयाहती की थी, बेशक तू अजीज है और
 कुदरतवाला है और तेरा अजाब शहीद है और तेरा
 बहला बहुत शहीद है. अब पालने वाले तू मोहम्मद व
 आले मोहम्मद पर दुर्द नाजिल इरमा और अपने
 अजाब को नाजिल करने में जल्दी कर, जैसा कि उन
 जालेमिन ने जुल्म करने में कोई कमी नहीं की थी. और
 उन लोगों ने सरकशी की थी, उन लोगों पर अपना
 गजब नाजिल इरमा, यह अयसा गजब कर जिसको
 कोई शय मिटा ना सके और अपने इस गजब के
 नाजिल करने में ताजिल इरमा, यह अयसा अम्र हो
 जिसमें न ताप्पीर हो और न पलटने वाला हो, बेशक तू
 शाहिद है. तू जानने वाला है हर राज को और तू
 जाने वाला है मेरे हर कलाम को और उनका कोई भी
 अमल तुज से पोशीदा नहीं है और उन फायेनीन का

या अह्लाह ! ईमाने जमाना (अ.त.इ.श.)ना मुहरमां जल्दी कर. ४२

कोई भी अमल तुज से दूर नहीं है, तू गैब का जानने वाला है, जो दिलों और जमीरों में है, तू उसे भी जानने वाला है. अय पालने वाले मैं तुज से सवाल करता हूँ और तुझे आवाज देता हूँ उन चीजों के जरिये से जिन चीजों के जरिये से मेरे सरदारों ने सवाल किया था और तूने उस मौके पर इरमाया था कि तू पाक व पाकीजा और भुलंद मर्तबा है और तूने इरमाया था कि जब तूने मुझे आवाज दी तो मैं कितना अच्छा जवाब देने वाला हूँ.

अय मेरे परवरदिगार तू बेहतरीन जवाब देनेवाला है, तू बेहतरीन लब्बैक कहनेवाला है और बेहतरीन सवालों का जवाब देनेवाला है, और बेहतरीन अता करने वाला है, तू वो है जो किसी सवाल करने वाले को ना उम्मीद नहीं करता और किसी उम्मीदवार की उम्मीद को रद्द नहीं करता और तेरे दरवाजे से किसी छसरार करने वाले को वापस नहीं करता और किसी साअेल की हुआ को रद्द नहीं करता

या अह्लाह ! ईमामे जमाना (अ.त.इ.श.)ना मुहुरमां जल्दी कर. ४३

और किसी द्रुआ करने वाले की उम्मीदों को, आरजूओं को रद्द नहीं करता और किसी के ज़ियादा मांगने पर नाराज़ नहीं होता, क्योंकि तमाम हाज़तों को तूही पूरा करता है। पस अय अपनी मज़लूक की तमाम हाज़तों को पूरा करने वाले, पस नज़दीक है कि मेरी आंभें तेरी बारगाह में नम हो जाएं और यह तेरे नज़दीक बहुत छोटी चीज़ है और आसान है। मेरी हाज़त अयसी है जैसे कि एक मच्छर का बाल। अय मेरे सरदार अय मेरे मौला तूही मेरा अतेमाह और उम्मीद है पस मैं यादता हूँ तू मोहम्मद व आले मोहम्मद पर सलवात भेजे और मेरे गुनाहों को बर्षा दे। मैं तेरी बारगाह में आया हूँ, हालांकि मेरी पुश्त गुनाहों के बोझ से लदी हुई है, मैं उन्हीं गुनाहों की वजह से तौबा कर रहा हूँ।

मेरे गुनाहों को मकदूर और तेरे बंदों के बहुत ज़ियादा छुड़क जो मेरी गरदनों पर हैं, सिवाये तेरे उसको कोई ज़त्म नहीं कर सकता और तेरे अलावा मुझे उससे कोई रेहाई नहीं दे सकता और ना ही उस पर

या अहवाल ! ईमामे ज़माना (अ.त.इ.श.)ना मुहरमां जलदी कर. ४४

कोई कुहरत रभता हय और यह तेरे अलावा किसी के
 छप्तिवार में नहीं. मेरे गुनाह ज़ियादा हैं और आंसू
 कम हैं, बल्कि मेरा कल्प मिसल संग (पत्थर) हो यूका
 हय और आंभें भुश्क हो चुकी हैं, अयसा नहीं हय,
 बल्कि तेरी रहमत हर चीज़ को घेरे में लिअे हुअे हय
 और उन्हीं कुल शय में से मैं ओक हूँ, पस तू मुजे अपनी
 रहमत में शामिल करले, अय रहमान व रहीम और
 अय सभ से ज़ियादा रहम करने वाले, इस दुनिया में
 किसी शय के जरिये मेरा छम्मेदान ना ले. वह जो मेरे
 उपर रहम ना करे, उसको मेरे उपर मुसल्लत ना कर
 और मेरे गुनाहों की वजह से मुजे हलाक ना कर और
 मुजे हर ना पसंदीदा चीज़ से रिहाई दे और हर जुल्म
 को दूर करदे और उस परदे को मुज से दूर करदे जो
 पोशीदा हय और जब हिसाब के दिन तू लोगों को जमा
 करेगा तो मुजे दुसवा ना करना. अय बहुत ज़ियादा
 नेकियों के अता करने वाले मैं तुज से सवाल करता हूँ कि
 मोहम्मद व आले मोहम्मद पर दुर्इत नाजिल इरमा और

या अह्मद ! छमा मे जमाना (अ.त.इ.स.)ना मुहरमां जल्दी कर. ४५

मुझे सआदत मंटी की जिंदगी अता इरमा और अगर मुझे मौत दे तो शहीदों की मौत दे और मुझे दोस्तों की तरह कुबूल इरमा और मेरी लिफाजत कर इस दुनिया व आभेरत में, हर सुलतानों व कुज्जार के शर से और हर शर और मोहब्बत करने वाले, बद् अमल करने वाले उन तमाम लोगों से मेहकूज रभ और सरकशी करने वालों के शर से और हासिदों के इसद से मेहकूज रभ और वह लोग जिन्होंने बगावत की वजह से शिक्र किया हय, यहां तक कि मकर करने वालों के मकर से, काइले वालों की आंभों को मेरी तरफ अयसे ही करदे, जैसे कि अंधे और झिस्क व कुजूर बनने वालों की जभान को, मेरी तरफ छोटी करदे और दस्त दराजी करने वालों के हाथों को मेरी तरफ से बांध दे.

और उनकी कोशिशों को कमजोर करदे और उनके गैज को और दुश्मनी को ખत्म करदे और उनके कानों और आंभों को और दिलों को मशगूल करदे और मुझे अपने अन्न व अमान में करार दे और उनकी दुकूमत से

या अह्लाह ! ईमामे जमाना (अ.त.इ.श.)ना मुहुरमां जल्दी कर. ४५

मेहकूज़ रफ और मुझे अपनी पनाह में करार दे और
 भूरे पड़ोसियों से और जो भूरे लोग हम नशीन हैं उन
 सब से मेहकूज़ रफ, बेशक तू हर शय पर कादिर हय.
 बेशक अल्लाह मेरा वली हय कि जिसने किताब को
 नाजिल किया हय और यही अल्लाह तमाम सालेहीन
 का वली हय. अय पालने वाले मैं तुज से पनाह मांगता
 हूँ और तू पनाह देने वाला हय और मैं तेरी ही ध्मादत
 करता हूँ और सिर्फ तेरे लुत्फ से उम्मीद करता हूँ और
 सिर्फ तुज से मदद याहता हूँ और तुज से ही मांगता हूँ
 के तू मेरे लिये काफ़ी हय और तुजे ही आवाज़ देता हूँ
 और तेरे ही वसीले से तलब करता हूँ और जो तुज से
 सवाल करता हूँ के तू मोहम्मद व आले मोहम्मद पर
 दुर्इद नाजिल इरमा.

और मुझे ना पलटाना मगर यह, कि मेरे गुनाह
 माफ़ हो जायें और मेरी कोशिश हय कि मैं तेरा शुक्र
 अदा करूँ और मेरी तिज्जरत में हर गिज़ भसारा ना
 हो, जिस का तू अहल हय, उसका मुज से मोआप्जेला न

या अह्दाह ! ईमामे जमाना (अ.त.इ.श.)ना मुहुरमां जल्दी कर. ४७

करना, जिन चीजों का मैं अहल हूँ, उसका मुझ से मुआमेला करना. बेशक तू अहले तकवा, अहले मगूफ़ेरत, अहले इजल, अहले रहमत में से है. अय पालने वाले यह सही है कि मेरी दुआ तवील है और मेरे गुनाह ज़ियादा हैं, मेरे सीने की तंगी को भोल दे और मुझे वह धल्म दे कि मैं तुझ से वह दुआ मांगू जो मेरे लिये काफ़ी हो, बल्कि वह सभ कि मैं जो कुछ अपनी ज़बान से कहूँ वह दुरुस्त हो. अय पालने वाले तू अपने घर बंदे के गुमान को जानता है और जो मुनाजात करता है उसके दिल के धरादे को भी तू जानता है. पर अय पालने वाले मैं तुझ से सवाल करता हूँ मोहम्मद व आले मोहम्मद पर दुरह नाज़िल इरमा और मेरी दुआ को अपनी इजाज़त से करीब करे और मेरी आरजूओं पर लुत्फ़ व करम इरमा और अपनी कुदरत के अतेबार से मेरे उपर अहसान इरमा, इस मकाम पर कोई अयसा नहीं है, जो तेरे अलावा मेरी उन तमाम छाजतों को पूरा करे.

या अह्लाह ! ईमामे जमाना (अ.त.इ.श.)ना मुहुरमां जल्दी कर. ४८

જો કુછ મૈને સવાલ કિયા હય ઉસ કો અતા તેરે લિએ કરના આસાન હય, જબ કિ મેરી ખતાએં જિયાદા હૈં, લેકિન બ તેહકીક તૂ ઇસ પર કાદિર હય, અય સુને ઓર દેખને વાલે. અય પાલને વાલે ઇસ મકામ મેં મૈં તુજ સે પનાહ ચાહતા હૂં જહન્નુમ કી આગ સે, તેરે ગલબ સે, ક્યૂંકિ ગુનાહોં કા જો બોજ મુજ પર હય ઓર વહ ઓયૂબ હૈં જો ડુસવા કરને વાલે હૈં, બેશક તૂ મોહમ્મદ વ આલે મોહમ્મદ પર દુરુદ નાજિલ ફરમા ઓર તૂ મેરી તરફ નજરે કરમ કી નિગાહ સે દેખ ઓર મુજે જન્મ મેં ભેજ દે ઓર તૂ મેરે ઉપર અયૂસી મહેરબાની કર જો મહેરબાની કરને કા હક હય ઓર અપને એકાબ સે નિજાત દે. બેશક જનૂનત ઓર જહન્નુમ તેરે હાથ મેં હય ઓર ઉસકી તાલા-કુંજી તેરે હાથ મેં હય ઓર તૂ હર શય પર કાદિર હય ઓર યહ અમ્મ તેરે લિએ આસાન હય. બેશક તૂ મેરે સાથ અયસા હી કર, જૈસા મૈં તુજ સે સવાલ કરતા હૂં, અય કુદરત રખને વાલે, કોઈ ભી કુદરત વ તાકત નહીં રખતા હય, સિવાએ તેરે, અય બુલંદ વ બુજુર્ગ હમારે

या अक्षाह ! ईमामे प्रमाना (अ.त.इ.श.)ना मुहरमां जल्दी डर. ४८

લિએ ખુદા કાફી હય. તૂ બેહતરીન વકીલ હય, બેહતરીન મોલા હય સબ સે ઝિયાદા મદદ કરને વાલા હય ઓર તમામ તારીફે ઉસ ખુદા કી હય જો આલમીન કા પાલને વાલા હય. પાલને વાલે તૂ સલવાત ભેજ હમારે સરદાર મોહમ્મદ વ આલે મોહમ્મદ પર ઓર ઉનકી આલ પર.

પાલને વાલે તૂ દુરુદ નાઝિલ ફરમા અંબિયા કે સરદાર પર, બેહતરીન ઔલિયા પર ઓર વહ જિનકો તૂને યુના હય ઓર વહ જો બુલંદ વ પાક વ પાકીઝા હેં, મુત્તકી વ પરહેઝગાર હે, જિન કો ઉન્કે સાથ ભેજા હય, બશારત દેને વાલા ઓર ડરને વાલે બના કર ભેજા હય ઓર વહ તેરી ઇજાઝત સે તેરી તરફ બુલારને વાલે હેં ઓર વહ રૌશન ચિરાગ હેં, વહ મોહમ્મદ મુસ્તફા ઓર ઉનકી આલ હેં, યહ રાઝ કી ચાબી ઉનકે પાસ હય ઓર વહ તકવા વ પરહેઝગારી કા ચિરાગ હય. સલામ હો ઉસ પર જો ઉનકી ઇત્તેબા કરે ઓર દુરુદ નાઝિલ ફરમા તમામ અંબિયા વ મુરસલીન પર ઓર ઉન તમામ લોગોં

या अष्टाह । ईमामे जमाना (अ.त.इ.श.)ना मुहुरमां जल्दी दर. प०

पर जो तेरी धताअत करते हैं, याहें वह आसमान वालों में से हो, याहें वह जमीन वालों में से हो, भास तौर से मोहम्मद सल्लल्लाहो अलैहे व आलेही व सल्लमपर सभ से बेहतरीन सलाम नाजिल इरमा हे. पालने वाले तूं हमारे उपर रहमत नाजिल इरमा और उनके साथ हमारी मगफ़ेरत इरमा, बेशक तू सभ से ज़ियादा रहम करने वाला हय.

अय पालने वाले जो मुज पर हमला करता हय वह तेरी मदद से और जो गलबा हांसिल करता हय वह भी तेरी मदद से, इस लिये कि कोई चीज़ ज़ुंभिश व हरकत में नहीं आती मगर यह कि तेरी मदद से कोई अयसी कूब्त नहीं हय जो तेरी ताकत से मुमताज़ हो, मगर यह कि तेरी मदद हो. जिस को तूने पैदा कियाहय उक के साथ पैदा किया हय.

तूने अपनी रहय्यत में धन्नेभाब किया हय अपने नबी मोहम्मद और उनकी धतरत को, उन सभ पर दुर्द नाजिल इरमा. मुजे उस रोज़ की सप्ती से मेहकूज़

या लक्षाह ! ईमामे ज़माना (अ.त.इ.श.)ना मुहुरमां जल्दी डर. ५१

रण और मुझे पैर व जूनी अता इरमा और मैं जो भी
 नेक कामों को अंजाम दूं उसमें तू अपना रहेमो करम
 करना और मुझे अपनी मोहब्बत अता कर और जो
 मेरी आरजू हय उस को हर इरेबकार व सरकशी करने
 वाले और हर अजियत आजार होने वाले की कुदरत से
 मेहकूज रण, यहां तक कि वह मेरे लिये सिपर हो जाये
 और मुझे हर अजाब व बला से मेहकूज रण और मेरे
 हर ખतरनाक काम को बदल दे अमन व अमान में. वह
 यीजें जो मेरे लिये मानेअ हैं उसे आसान करदे, ताकि
 मुझे कोई उससे पलटा ना सके और शहर की कोई भी
 अजियत व बला मुज पर नाजिल ना इरमा, बेशक तू
 हर शय पर कादिर हय और तमाम काम तेरी ही तरफ
 पलटते हैं और तेरे भिस्ल कोई शय नहीं हय और वोह
 जो सुन्ने और देખने वाला हय. तमाम तारीकें उस
 अल्लाह के लिये हैं जो आलमीन का पालने वाला हय.

या अल्लाह ! ईमामे जमाना (अ.त.इ.श.)ना मुहुरमां जल्दी कर. पर

દોઆએ સનમય કુરૈશ

ઈબ્ને અબ્બાસ બયાન કરે છે કે એક રાત હું મસ્જીદે રસુલ (સ.અ.વ.) માં ગયો જેથી નમાઝે શબ ત્યાંજ અદા કરું. ત્યાં મેં હ.અમીરુલ મોઅમેનીન (અ.સ.)ને નમાઝમાં મશ્ગુલ જોયા. હું એક ખુલામાં બેસીને કુસ્ને ઈબાદત જોયા અને કુરઆનની તિલાવત સાંભળવા લાગ્યો. હઝરત નવાફીલે શબથી ફારીગ થયા, શફા અને વિત્ર પઢી ત્યાર બાદ કેટલીક એવી દુઆઓ પઢી કે જે મેં કયારેય સાંભળી નહોતી. જ્યારે હઝરત નમાઝથી ફારીગ થયા તો મેં અરજ કરી કે મારી જાન આપ પર કુરબાન થાય! આ કઈ દુઆ હતી? ફરમાવ્યું કે એ, “દોઆએ સનમય કુરૈશ હતી.” અને ફરમાવ્યું “કસમ છે એ ખુદાની કે જેના કબ્જાએ (તાબા) કુદરતમાં મોહમ્મદ (સ.અ.વ.) અને અલી (અ.સ.)ની જાન છે, જે શખ્સ આ દોઆ પઢશે એને એવોજ અજર (વળતર) નસીબ થશે કે ગોવા એણે આં હઝરત (સલ.)ની સાથે જંગે ઓહદ અને જંગે તબુકમાં જેહાદ કરી હોય અને હઝરત (સ.અ.વ.)ની રૂબરૂ શહીદ થયો હોય. વળી એને એવી ૧૦૦ હજ અને ઉમરાનો સવાબ મળશે જે હઝરત (સ.અ.વ.)ની સાથે બજાવી લાવ્યો હોય અને હઝાર મહીનાના રોઝાનો સવાબ પણ હાસીલ થશે. ઉપરાંત કયામતના દિવસે એનો હત્ર જનાબે રિસાલત મઆબ (સ.અ.વ.) અને અઈમ્મએ માઅસુમીન (અ.સ.)ની સાથે થશે. અને ખુંદાવિદે આલમ એના તમામ ગુનાહ બખ્શી દેશે. અગરચે એ આસમાનના સિતારાઓ, સહેરાઓ (રણ)ની રેતના ઝર્રા અને તમામ દરખ્તો (ઝાડ) ના પત્તાઓની સંખ્યા જેટલા કેમ ન હોય! અને એ શખ્સ કબ્રના અઝાબથી અમાનમાં હશે. એની કબ્રમાં બેહીશતનો એક દરવાજો ખોલી દેવામાં આવશે.

યા અહ્વાહ! ઈમાને પ્રમાના (અ.ત.ફ.શ.)ના મુહુરમાં જલ્દી કર. ૫૩

જે હાજત માટે આ દોઆ પઢશે ઈ.અ.પુરી થશે. અય ઈબ્ને અબ્બાસ ! અગર અમારા કોઈ દોસ્ત પર બલા ને મુસીબત આવે તો આ દોઆને પઢે, બજાત હાસિલ થશે.

દોઆએ સનમય કુરૈશનો તરજુમો.

તરજુમો :- અય ખુદાવંદે આલમ ! તુ મોહમ્મદ સલ્લલ્લાહ વ આલે મોહમ્મદ અલયહેમુસ્સલામ પર રહમત નાઝીલ ફરમા. ખુદાવંદા તુ કુરૈશકે દોનોં (ઝાલીમ) ખાતીલ માઅબુદો ઓર દોનોં શયતાનોં ઓર દોનોં શરીફોં ઓર ઉન દોનોકી બેટીયોં પર લાનત કર જુહોંને તેરે હુકમકી ખીલાફ વરઝી કી. તેરી વહીકે પીઠ દીખાઇ, તેરે ઇનઆમકે મુન્કીર હુએ, તેરે રસુલ (સ.)કી ખાત નહીં માની, તેરે દીનકે પલટ કર રખ દીયા, તેરી કીતાબકે તકઝોંકે પુરા નહીં હીને દીયા, તેરે દુશ્મનોંસે દોસ્તી કી, તેરી નેઅમતોંકે હુકરાયા, ઓર તેરે એહકામકો મોઅત્તલ કીયા ઓર તેરે ફરાએઝકો ખાતીલ કીયા ઓર તેરી આયતોંમં ઇલ્લાહ કીયા ઓર તેરે દોસ્તોંસે અદાવત કી ઓર તેરે દુશ્મનોંસે મોહબ્બત કી ઓર તેરે શેહરોંકો ખરાબ કીયા ઓર તેરે બંદોમં ફસાદ ફેલાયા. ખુદાવંદા તુ ઉન દોનોં ઓર ઉનકી મુતાબેઅત કરનેવાલોં ઓર ઉનકે

યા અદવાહ ! ઈમામે ઝમાના (અ.ત.ફ.શ.)ના મુહુરમાં જલ્દી કર. ૫૪

દોસ્તો ઓર ઉનકે પયરવોં ઓર ઉનકે મદદગારોં પર લાનત કર ક્યોંકે ઉન્હોંને ખાનએ નબુવ્વતકો તખાહ ક્રીયા ઓર ઉસક દરવાજા બંદ ક્રીયા ઓર ઉસકી છતકો તોડ ડાલા ઓર ઉસકે આસમાનકો ઉસકી જમીનસે ઓર ઉસકી બલન્દીકો ઉસકી પસ્તીસે ઓર ઉસકે ગાહીરકો ઉસકે ખાતીનસે મીલા દીયા ઓર ઉસ (ઘર) કે મકીનોંક ઇસ્તેસાલ ક્રીયા ઓર ઉસકે મદદગારોંકો હલાક ક્રીયા ઓર ઉસકે બચ્યોંકો કતલ ક્રીયા ઓર ઉસકે મીખ્બરકો ઉસકે વસી ઓર ઉસકે ઇભ્મકે વારીસસે ખાલી ક્રીયા ઓર ઉસકી ઇમામતસે ઇન્કાર ક્રીયા ઓર ઉન દોનોંને અપને પરવરદિગારક શરીફ બનાયા, લેહાજા તુ ઉનકે અજાબકો સપ્ત કર ઓર ઉન દોનોંકો હંમેશા દોજખમે રખ ઓર તુ ખુબ જાનતા હૈ કી દોજખ કયા હૈ વોહ ક્રીસીકો બાકી નહીં રખતા ઓર ન છોડતા હૈ. ખુદાવન્દા તુ ઉન પર લાનત કર હર બુરી ખાતકે એવજમ્ જો ઉનસે સરજદ કુઇ હો યાની ઉન્હોંને હકકો પોશીદા ક્રીયા ઓર મીખ્બર પર ચડહે ઓર મોમીનકો તક્લીફ દી ઓર મુનાફીકસે દોસ્તી કી ઓર (ખુદાકે) દોસ્તકો ઇજા દી ઓર (રસુલ સ.કે તરફસે ધુતકારે કુએ કો) વાપસ લાએ ઓર ખુદાકે સચ્ચે ઓર મુખ્તીસ બંદોંકો જીલા વતન ક્રીયા ઓર કાફીરકી મદદ કી ઓર ઇમામકી બેહુરમતી કી ઓર વાજીબમેં તગય્યુર ક્રીયા ઓર આસારકે મુન્કીર કુએ ઓર શરકો ઇખ્તિયાર ક્રીયા ઓર (માઅસુમ)કા ખુન બહ્યા ઓર ખયરકો તબ્દીલ ક્રીયા ઓર કુફકો કાએમ ક્રીયા ઓર ઝુટ (ઓર ખાતીલ) પર અકે રહે ઓર મીરાસ

યા અદ્યાહ ! ઇમામે ઝમાના (અ.ત.ફ.શ.)ના મુહુરમાં જલ્દી કર. ૫૫

પર (નાહક) કાબીજ કુએ ઓર ખીરાજકો મુ-ક્તઅ કીયા
 ઓર હરામસે અપના પેટ ભરા ઓર ખુમ્સકો (અપને લીયે)
 હલાલ કીયા ઓર ખાતીલકી બુનિયાદ કાએમ કી ઓર જુલ્મ
 (વ જૌર) કો રાએજ કીયા ઓર (દીલ મે) નિફાક પોશીદા
 રખા ઓર મકકો કલ્બમેં છુપાએ રખા ઓર જુલ્મ વ સીતમકી
 ઇશ્આત કી ઓર વાદોંકે ખીલાફ અમલ કીયા ઓર અમાનતમે
 ખયાનત કી ઓર અપને અહદકો તોડા ઓર (ખુદા વ રસુલ
 સ.) કે હલાલકો હરામ કીયા ઓર (ખુદા વ રસુલ સ.કે)
 હરામકો હલાલ કીયા ઓર (માઅસુમા સ.) કે શીકમ પર
 દરવાજા ગીરા કર શીગાફતા કીયા ઓર (મોહસીને
 માઅસુમ)કા હમલ સાકીત કીયા ઓર માસુમએ આલમકે
 પેહલુકો જખ્મી કીયા ઓર કબાલા (જો વાગજાશત ફિદક પર
 લીખા ગયા થા) ફાડ ડાલા ઓર જમઇયતકો પરાગ-દા કીયા
 ઓર મોઅજજેઝીનકી આબરૂ રેઝી કી ઓર ઝલીલ કો અઝીઝ
 કીયા ઓર (હકદાર) કો હકસે મેહસ્ત્ર કીયા ઓર જુટકો
 ફરેબકે સાથ અમલમેં લાએ ઓર (ખુદા વ રસુલ સ.) કે
 હુકમકો બદલ દીયા ઓર ઇમામકી મુખાલેફત કી.
 પરવરદિગારા ! જુન જુન આયતોંકી આયની હેસીયતકો
 ઉન્હોંને બદલા હૈ ઉનકે આદાદ વ શુમારકે મુતાબીક ઉન પર
 નફરીન ફરમા ઓર જુતને ફરાએઝ છોડે હૈ, જુતની સુન્નતોંકો
 તખ્દીલ કીયા હૈ, જો જો એહકામ મોઅતલ કીયે હૈ, જુન જુન
 રસ્મોંકો મીટાયા હૈ, જુન જુન વસીયતોંકો કુછ સે કુછ કર
 દીયા ઓર વો ઉમુર જો ઉનકે હાયો ઝાયેઅ કુએ, વો બયઅત
 યા અદ્યાહ ! ઇમાએ ઝમાના (અ.ત.ફ.શ.)ના મુહુરમાં જલ્દી કર. ૫૬

જીસકે પરખયે ઉડાએ વો ગવાહીયાં જો છુપાઇં, નીજ વો દાવે
 જીહેં ઇન્સાફસે મેહરૂમ રખા ગયા, વો સખુત જીહેં કબુલ
 કરનેસે ઇન્કાર ક્રીયા ગયા ઓર વો હીલે બહાને જો તરાશે
 ગયે, વોહ ખયાનત જો બરતી ગઇ, ઓર ફીર વો પહાડી
 જીસ પર યે જાન બયાનેકે લીયે ચડ ગયે, વોહ મોઅય્યન રાહેં
 જો ઉન્હોને બદલી, નીજ વો ખોટે રાસ્તે જો ઉન્હોને ઇખ્તિયાર
 ક્રીયે ઉન સબકે બરાબરાન પર લાનત ભેજ. બારે ઇલાહ !
 પોશીદા તોર પર જાહીર બજાહીર ઓર એલાનિયા તરીકેસે
 ઉન પર નફરીન કર. બેશુમાર લાનત, અબદી લાનત લગાતાર
 લાનત, ઓર હમેશા બાકી રેહનેવાલી જીસકી તાઅદાદમેં
 કભી કમી ન હો ઓર ઉન પર ઉસકી મુદત કભી ખત્મ ન હો
 એસી લાનત જો અવ્વલ સે શુરૂઅ હો ઓર આખીર તક
 મુન્કતા ન હો. ઓર ઉનકે મદદગારોં પર ઓર નુસરત કરનેવાલોં
 પર ઓર દોસ્તોં પર ઓર ઉનકે હવા ખ્વાહોં પર ઓર ફરમા
 બરદારોં પર (ઓર ફીર) ઉનકી તરફ રગબત કરનેવાલોં પર
 ઓર ઉનકે એહ્તેજાજ પર હમઆવાજ હોને વાલોં પર ઓર
 ઉનકી પયરવી કરનેવાલોંકે સાથ ખડે હોને વાલોં પર ઓર
 ઉનકે અકવાલ માનને વાલોં પર ઓર ઉનકે એહકામકી તરદીક
 કરનેવાલોં પર. ખુદાવંદા તુ ઉન પર એસા અઝાબ નાઝીલ
 કર કે જીસસે એહલે દોઝખ ફરિયાદ કરને લગે. અય તમામ
 આલમોં કે પરવરદિગાર મેરી યેહ દોઆ કબુલ કર. પસ અય
 ખુદા તુ ઉન સબ પર લાનત કર ઓર ખુદાવંદા તુ રહમત
 નાઝીલ ફરમા મોહમ્મદ સલ્લલ્લાહ વ આલે મોહમ્મદ

યા અદવાહ ! ઇમામે પ્રમાના (અ.ત.ફ.શ.)ના મુહુરમાં જલ્દી કર. ૫૭

અલયહુમુસ્સલામ પર ઓર ફીર મુજકો અપને હલાલ કે સાથ અપને હરામસે બેનિયાઝ ફરમા ઓર મોહતાજીસે મુજકો પનાહ દે. પરવરદિજાર પકીનન મેંને બુરા કીયા ઓર અપને નફસ પર ઝુલ્મ કીયા, મેં અપને જુનાહોંકા ઈક્રાર કરતા હું, અબ મેં તેરે સામને હું, તુ અપને લીયે મેરે નફસકી રજામંદી કબુલ કર (કર્ચકે) મેરી બાઝજશત તેરી તરફ હે ઓર મેં તેરી તરફ પલટુ તો તુ મુજ પર રહમ કર, ઈનાયત ફરમા જો ખાસ તેરા હીસ્સા હે અપને ફઝલ ઓર અખ્શીશ ઓર મગફેરત ઓર કરમકે સાથ. અથ રહમ કરનેવાલોંમેં સબસે ઝિયાદા રહીમ. ઓર રહમત ફરમા અથ અછાહ તમામ અખ્બીયાકે સબ્દ, સરદાર, ખાતીમુબ્રબીયીન પર ઓર ઉન જનાબકી પાક વ પાકીઝા ઓર તાહીર બીલાહ પર અપની રહમતસે અથ રહમ કરનેવાલોં મે સબસે ઝિયાદા રહીમ.

દોઆએ તવસ્સુલ

અલ્લાહુમ્મ ઈન્ની અર્સે અલોક વ અતવજ્જહો એલયંક બે નબીય્યેક નબીયિરે રહેમતે મોહેમ્મદિને સેલ્લલ્લહો એલયહે વ આલેહી યા અબલે કૌસેમે યા રસુલલ્લાહે યા ઈમામરે રહેમતે યા સબ્હેના વ મર્વલાના ઈન્ના તવજ્જહોના વસંતશૈફ્ફીના વ તવસ્સલના બેક એલલ્લાહે વ કહેદમેનાક બયંન યદયં હીજતેના.

યા વજ્જહને ઈનેદલ્લાહે ઈશૈફ્ફી લના ઈનેદલ્લાહ.

યા અબલે હેસને યા અમીરલે મુર્અમેનીન યા એલીય્બેન અબી તીલેબિને યા

સા અદ્દાહ | ઈમામે ઝમાના (અ.ત.૨.શ.)ના મુહુરમાં જલ્દી કર. ૫૮

હુંજોજતલ્લાહે એલા ખેલેકેલી યા સય્યેદના
 વ મર્વેલાના ઈન્ના તવજોજહેના વસંતશૈક્ષ્ણના
 વ તવસ્સલના બેક એલલ્લાહે વ કૈદદર્મનાક
 બર્ચેન યદર્ચે હોજાતેના.

યા વજીહનં ઈનેદલ્લાહે ઈશૈક્ષ્ણ લના
 ઈનેદલ્લાહ.

યા ફાતેમતુઝં ઝહેરોઓ યા બિનંત
 મોહેમ્મદિનં યા ફુરેરત એર્ચેનિરે રસૂલે યા
 સય્યેદના વ મર્વેલાતના ઈન્ના તવજોજહેના
 વસંતશૈક્ષ્ણના વ તવસ્સલના બેકે એલલ્લાહે
 વ કૈદદર્મનાકે બર્ચેન યદર્ચે હોજાતેના.

યા વજીહતનં ઈનેદલ્લાહે ઈશૈક્ષ્ણ લના
 ઈનેદલ્લાહ.

યા અબા મોહેમ્મદિનં યા હેસનબેન
 એલીર્ચેયિનં અધ્યોહલ મુજેતબા યબેન
 રસૂલિલ્લાહે યા હુંજોજતલ્લાહે એલા ખેલેકેલી
 યા સય્યેદના વ મર્વેલાના ઈન્ના તવજોજહેના
 વસંતશૈક્ષ્ણના વ તવસ્સલના બેક એલલ્લાહે
 વ કૈદદર્મનાક બર્ચેન યદર્ચે હોજાતેના.

યા વજીહનં ઈનેદલ્લાહે શૈક્ષ્ણ લના

ઈનેદલ્લાહ.

યા અબા ઈબ્રાહિમ્લાહે યા હુસૈનબેન
એલીયિન અપ્યોહશ શહીદો યબેન
રસૂલિલ્લાહે યા હુજૂજતલ્લાહે એલા ખેલકેહી
યા સપ્યેદના વ મર્વલાના ઈન્ના તવજૂજહેના
વસંતશૈફૈના વ તવસ્સલેના બેક એલલ્લાહે
વ કૈદમનાક બયેન યદયે હોજાતેના.

યા વજૂહને ઈનેદલ્લાહે ઈશૈફૈ લના
ઈનેદલ્લાહ.

યા અબેલ હુસને યા એલીયબેનલે
હુસૈને યા ઝયેનલે ઓબેદીન યબેન
રસૂલિલ્લાહે યા હુજૂજતલ્લાહે એલા ખેલકેહી
યા સપ્યેદના વ મર્વલાના ઈન્ના તવજૂજહેના
વસંતશૈફૈના વ તવસ્સલેના બેક એલલ્લાહે
વ કૈદમનાક બયેન યદયે હોજાતેના.

યા વજૂહને ઈનેદલ્લાહે ઈશૈફૈ લના
ઈનેદલ્લાહ.

યા અબા જૈફૈરિને યા મોહૈમ્મદબેન
એલીયેયિન અપ્યોહલે બાકેરો યબેન
રસૂલિલ્લાહે યા હુજૂજતલ્લાહે એલા ખેલકેહી

યા અદાહ ! ઈમામે જમાના (અ.ત.ફ.સ.)ના મુહુરમાં જલ્દી કર. ૬૦

યા સખ્યેદના વ મર્વલાના ઈન્ના તવજ્જહેના
વસંતશંકર્ષેના વ તવસ્સલેના બેક એલલાહે
વ કંદેદમનાક બર્ચેન યદયે હીજાતેના.

યા વજ્જહને ઈનેદલાહે ઈશંકર્ષે લના
ઈનેદલાહ.

યા અબા એબેદિલાહે યા જર્ષેફરબેન
મોલેમ્મદિને અધ્યોહર્ષે સીદેકો યબેન
રસૂલિલાહે યા હુજ્જતલાહે એલા ખેલેકેહી
યા સખ્યેદના વ મર્વલાના ઈન્ના તવજ્જહેના
વસંતશંકર્ષેના વ તવસ્સલેના બેક એલલાહે
વ કંદેદમનાક બર્ચેન યદયે હીજાતેના.

યા વજ્જહને ઈનેદલાહે ઈશંકર્ષે લના
ઈનેદલાહ.

યા અબલે હેસને યા મુસબેન જર્ષેફરિને
અધ્યોહલે કાકેમો યબેન રસૂલિલાહે યા
હુજ્જતલાહે એલા ખેલેકેહી યા સખ્યેદના
વ મર્વલાના ઈન્ના તવજ્જહેના વસંતશંકર્ષેના
વ તવસ્સલેના બેક એલલાહે વ કંદેદમનાક
બર્ચેન યદયે હીજાતેના.

યા વજ્જહને ઈનેદલાહે ઈશંકર્ષે લના

ઈનેદલ્લાહ.

યા અબલે હેસને યા એલી યબેન મુસા અય્યોહરે રેઝી યબેન રસૂલિલ્લાહે યા હુજૂજતલ્લાહે એલા ખેલકેહી યા સય્યેદના વ મર્વલાના ઇન્ના તવજૂજહેના વસંતશર્કૂર્એના વ તવસ્સલેના બેક એલલ્લાહે વ કુંદેદમનાક બયેન યદયે હીજાતેના.

યા વજૂહને ઈનેદલ્લાહે ઇશર્કૂર્એ લના ઈનેદલ્લાહ.

યા અબા જર્એફરિને યા મોહેમ્મદબેન એલીયેયિને અય્યોહરે તકીયુલે જવાદો યબેન રસૂલિલ્લાહે યા હુજૂજતલ્લાહે એલા ખેલકેહી યા સય્યેદના વ મર્વલાના ઇન્ના તવજૂજહેના વસંતશર્કૂર્એના વ તવસ્સલેના બેક એલલ્લાહે વ કુંદેદમનાક બયેન યદયે હીજાતેના.

યા વજૂહને ઈનેદલ્લાહે ઇશર્કૂર્એ લના ઈનેદલ્લાહ.

યા અબલે હેસને યા એલીય્યબેન મોહેમ્મદિને અય્યોહલ હાદીને તકીયો યબેન રસૂલિલ્લાહે યા હુજૂજતલ્લાહે એલા ખેલકેહી

યા અહાહ ! ઈમામે ખમાના (અ.ત.ફ.શ.)ના મુહુરમાં જલ્દી કર. ૬૨

યા સપ્તેદના વ મર્વલાના ઈન્ના તવજ્જહેના વસંતશર્કર્ષના વ તવસ્સલના બેક એલલાહે વ કૈદદમનાક બર્ચન યદ્યે હીજાતેના.

યા વજ્જહનં ઈનેદલાહે ઈશર્કર્ષ લના ઈનેદલાહ.

યા અબા મોહેમ્મદિનં યા હેસનબેન એલીયેયિનં એવ્યોહલ્લે ઝકીયુલ્લે એસકરીય્યો યબેન રસૂલિલાહે યા હુજ્જતલાહે એલા ખેલકેહી યા સપ્તેદના વ મર્વલાના ઈન્ના તવજ્જહેના વસંતશર્કર્ષના વ તવસ્સલના બેક એલલાહે વ કૈદદમનાક બર્ચન યદ્યે હીજાતેના.

યા વજ્જહનં ઈનેદલાહે ઈશર્કર્ષ લના ઈનેદલાહ.

યા વસીય્યલ્લે હેસને વલ્ ખેલફલ્લે હુજ્જત અવ્યોહલ્લે કૌએમુલ્લે મુનેતઝૂલ્લે મહેદીય્યો યબેન રસૂલિલાહે યા હુજ્જતલાહે એલા ખેલકેહી યા સપ્તેદના વ મર્વલાના ઈન્ના તવજ્જહેના વસંતશર્કર્ષના વ તવસ્સલના બેક એલલાહે વ કૈદદમનાક બર્ચન યદ્યે

હોજતેના.

યા વજીહનં ઈનંદલાહે ઈશંકર્મ લના
ઈનંદલાહ.

યા સાદતી વ મવાલીવ્ય ઈન્ની તવજ્જહતો
બેકુમં અઈમ્મતી વ ઉદંદતી લે યવંમે ફર્કરી
વ હોજતી એલલાહે વ તવસ્સલંતો બેકુમં
એલલાહે વસંતશંકર્મતો બે કુમં એલલાહે
ફર્શકઉં લી ઈનંદલાહે વસંતનકેઝની મિનં
ઝોનૂબી ઈનંદલાહે ફ ઈન્નકુમં વસીલતી
એલલાહે વ બે હુબેકુમં વ બે ફુરેબેકુમં
અરજૂ નજાતમં મેનલાહે ફ કુનૂ ઈનંદલાહે
રજોઈ યા સાદતી યા અવલેયોઅલાહે
સેલ્લલાહો એલયેહિમં અજમઈનં વ
લએનલાહો અઈદોઅલાહે આલેમીહિમં
મેનલં અવ્વલીન વલં આખેરીન.

આમીન રબલં ઓલમીન.

યા અદ્યાહ ! ઈમામે ઝમાના (અ.ત.૨.૨૧.)ના મુહર્રમાં જલ્દી ૬૨. ૬૪